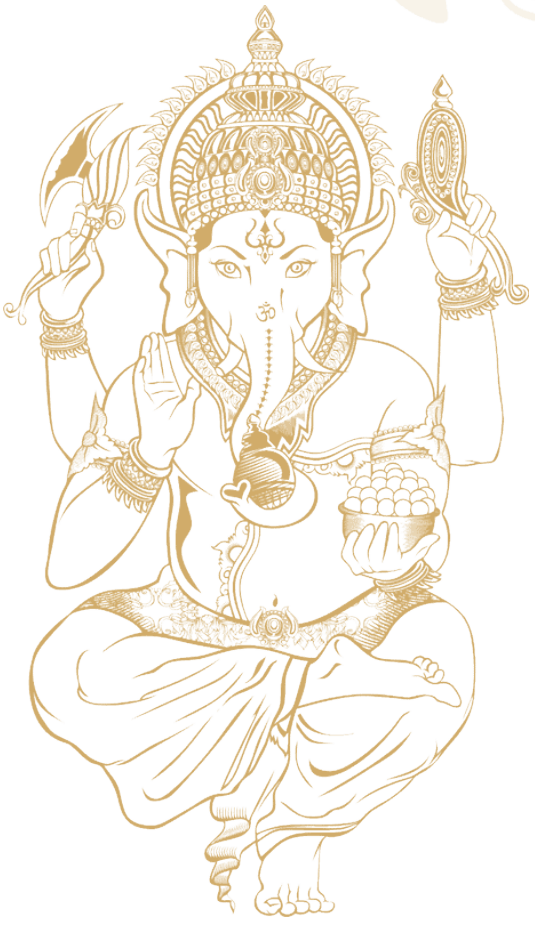

Mr.Yash Kumar

Ms.Saloni Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119238803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/11/1995	जन्म तिथि	29/05/1996
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:47:34	जन्म समय	06:45:00 घंटे
घटी 11:02:52	जन्म समय(घटी)	04:12:54 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Varanasi
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:22:25	सूर्योदय	05:08:16
17:03:34	सूर्यास्त	18:42:47
23:48:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28

विंशोत्तरी बुध 0वर्ष 6मा 3दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 6वर्ष 5मा 22दि
सूर्य	09:06:01	मक	लग्न	मिथु	06:35:55	गुरु
29/05/2023	07:38:33	वृश्चि	सूर्य	वृष	14:09:05	20/11/2020
28/05/2029	29:36:02	वृश्चि	चंद्र	कन्या	24:19:29	20/11/2036
सूर्य 15/09/2023	01:24:00	धनु	मंगल	मेष	25:40:23	
चन्द्र 16/03/2024	08:12:24	वृश्चि	बुध	मेष	25:54:01	गुरु 08/01/2023
मंगल 22/07/2024	27:07:44	वृश्चि	गुरु व	धनु	22:55:44	शनि 21/07/2025
राहु 15/06/2025	02:03:07	धनु	शुक्र व	मिथु	02:56:16	बुध 27/10/2027
गुरु 04/04/2026	24:11:57	कुंभ	शनि	मीन	11:30:30	केतु 02/10/2028
शनि 17/03/2027	02:16:13	तुला व	राहु व	कन्या	22:08:20	शुक्र 03/06/2031
बुध 21/01/2028	02:16:13	मेष व	केतु व	मीन	22:08:20	सूर्य 21/03/2032
केतु 28/05/2028	03:42:17	मक	हर्ष व	मक	10:36:36	चन्द्र 21/07/2033
शुक्र 28/05/2029	29:39:09	धनु	नेप व	मक	03:43:00	मंगल 27/06/2034
	06:43:48	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:45:19	राहु 20/11/2036

लग्न-चलित

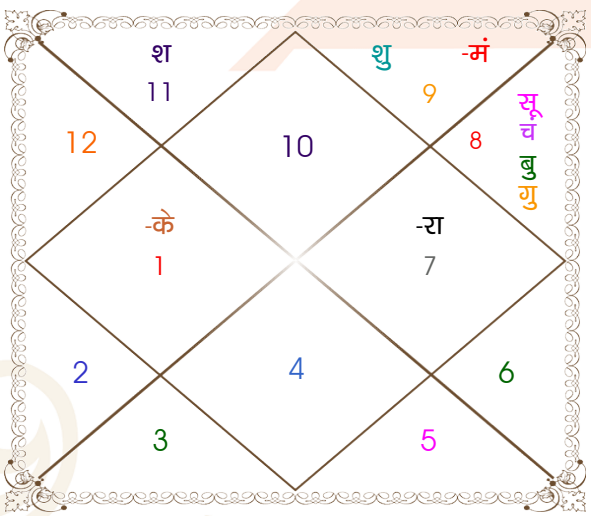

लग्न-चलित

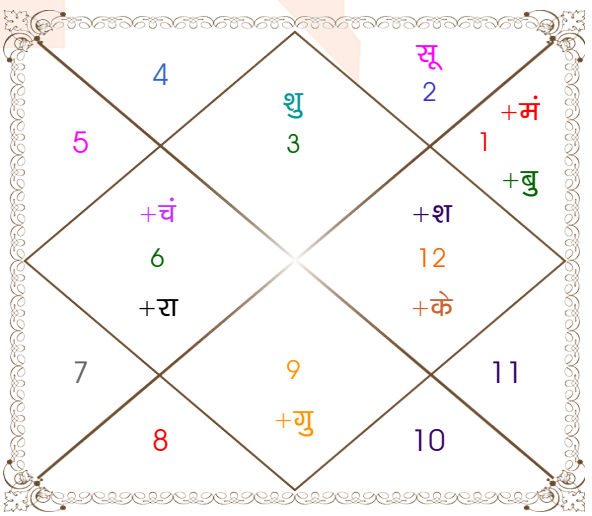

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्ष्ली ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा डेैंसवदप ळनचजं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ष्ली ज्ञनउंत और डेैंसवदप ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ष्ली ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ष्ली ज्ञनउंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेैंसवदप ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेैंसवदप ळनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ष्ली ज्ञनउंत तथा डेैंसवदप ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।